भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1066

दिनांक 05 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जनजातीय महिलाओं में रक्ताल्पता

†1066. श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्राः

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को वायनाड लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में जनजातीय महिलाओं एवं बच्चों में रक्ताल्पता के अत्यधिक मामलों की जानकारी है और यदि हाँ, तो इस संबंध में सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(ख) 2018 से वायनाड में रक्ताल्पता मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम के अंतर्गत कवर की गई जनजातीय महिलाओं एवं किशोरियों सहित प्रजनन आयु की किशोरियों और महिलाओं की वर्ष-वार कुल संख्या और प्रतिशत कितना है;

(ग) कार्यक्रम दिशानिर्देशों के अनुसार अनुशंसित आयरन एवं फोलिक एसिड (आईएफए) खुराक पूर्ण करने वाले लाभार्थियों के अनुपात का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या केरल के जनजातीय क्षेत्रों, विशेष रूप से वायनाड जिले में गैर-अनुपालन के सांस्कृतिक या व्यवहार संबंधी कारणों की पहचान करने हेतु कोई प्रभाव मूल्यांकन किया गया है; और

(ङ) यदि हाँ, तो निष्कर्ष सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अनुपालन में सुधार हेतु क्या सुधारात्मक कार्रवाई आरंभ की गई है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार केरल राज्य और वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की व्यापकता की स्थिति **अनुलग्नक I** में दी गई है।

भारत सरकार मजबूत संस्थागत तंत्र के माध्यम से छह अंतक्षेपों के कार्यान्वयन के माध्यम से छह लाभार्थी आयु समूहों - बच्चों (6-59 महीने), बच्चों (5-9 वर्ष), किशोरों (10-19 वर्ष), गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं और जीवन चक्र दृष्टिकोण में प्रजनन आयु समूह (15-49 वर्ष) की महिलाओं में एनीमिया की

व्यापकता को कम करने के लिए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यनीति लागू करती है। इन छह अंतक्षेपों में शामिल हैं रोगनिरोधी आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण (6-59 महीने के बच्चों को सप्ताह में दो बार आईएफए सिरप प्रदान किया जाना, 5-9 वर्ष के बच्चों को आईएफए गुलाबी गोलियां प्रदान किया जाना, 10-19 वर्ष के किशोरों को आईएफए नीली गोलियां प्रदान किया जाना, प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को साप्ताहिक आईएफए लाल गोलियां प्रदान किया जाना तथा गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को 180 दिनों के लिए प्रतिदिन आईएफए लाल गोलियां प्रदान किया जाना), कृमि मुक्ति (गर्भवती महिलाओं को दूसरी तिमाही में एल्बेंडाजोल की गोलियां प्रदान की गईं तथा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दौरान सभी बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोलियां प्रदान की गईं), गहन व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान, एनीमिया के लिए परीक्षण और एनीमिया प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार, सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आईएफए फोर्टिफाइड भोजन का अनिवार्य प्रावधान तथा एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों, विशेष रूप से मलेरिया, फ्लोरोसिस और हीमोग्लोबिनोपैथी का समाधान करना।

(ख) और (ग) एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत, केरल राज्य और वायनाड जिले में किशोरियों और प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच रोगनिरोधी आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण का कवरेज **अनुलग्नक II** में दिया गया है।

(घ) केरल के जनजातीय क्षेत्रों में अनुपालन न करने के लिए केरल राज्य द्वारा बताए गए मुख्य कारण सांस्कृतिक मानदंड और पारंपरिक प्रथाएँ हैं, जैसे तंबाकू चबाना, चाय और कॉफी का बार-बार सेवन, जिससे आयरन का सेवन और अवशोषण कम हो जाता है।

(ङ) केरल राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, जनजातीय क्षेत्रों में अनुपालन में सुधार के लिए विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की गई हैं, जिनमें आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) में एनीमिया की नियमित जाँच, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त पद्धति का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा की कक्षाएं और सामुदायिक रेडियो, 'मट्टोली' के माध्यम से जनजातीय भाषाओं में जिंगल्स का प्रसारण शामिल है।

एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) के अंतर्गत, आईएफए गोलियों और कृमिनाशक के अनुपालन में सुधार लाने, आहार विविधीकरण और खाद्य सुदृढ़ीकरण के माध्यम से लौह युक्त भोजन, प्रोटीन युक्त और विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन को बढ़ाने के लिए गहन व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) का आयोजन किया जाता है।

*****

दिनांक 05.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 1066 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक,

अनुलग्नक I

क्रम सं.	सूचक	वायनाड जिला	कोझिकोड जिला	मलप्पुरम जिला	केरल
1	6-59 महीने के बच्चे जो एनीमिया से पीड़ित हैं (<11.0 g/dl) (%)	39.4	32.1	47.2	39.4
2	अनुसूचित जनजातियों में 6-59 महीने की उम्र के बच्चे जो एनीमिया से पीड़ित हैं (<11.0 g/dl) (%)	*	*	*	57.6
3	15-19 साल की सभी महिलाएं जो एनीमिया से पीड़ित हैं (%)	27.7	32.6	38.1	32.5
4	15-49 साल की नॉन-प्रेग्नेंट महिलाएं जो एनीमिक हैं (<12.0 g/dl) (%)	27.0	30.2	34.5	36.5
5	15-49 साल की प्रेग्नेंट महिलाएं जो एनीमिया से पीड़ित हैं (<11.0 g/dl) (%)	23.3	23.2	41.1	31.4
6	15-49 साल की सभी महिलाएं जो एनीमिया से पीड़ित हैं (%)	26.9	29.8	34.7	36.3
7	अनुसूचित जनजातियों में 15-49 वर्ष की सभी महिलाएं जो एनीमिया से पीड़ित हैं (%)	*	*	*	52.9

* उपलब्ध नहीं है

दिनांक 05.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 1066 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक,

अनुलग्नक II

क. वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2024-25 तक किशोरियों के बीच रोग निरोधी आईएफए अनुपूरण का कवरेज*

वर्ष	वायनाड जिला		केरल	
	लाभार्थियों की संख्या	कवरेज (%)	लाभार्थियों की संख्या	कवरेज (%)
वित्त वर्ष 2018-19	-	0	10,79,744	79.4
वित्त वर्ष 2019-20	-	0	211	0
वित्त वर्ष 2020-21	-	0	-	0
वित्त वर्ष 2021-22	-	0	1,336	0.1
वित्त वर्ष 2022-23	12,685	35.6	61,138	4.5
वित्त वर्ष 2023-24	610	1.7	1,08,436	8
वित्त वर्ष 2024-25	14,969	42.1	2,83,998	20.9
अप्रैल-सितंबर 2025	49,186	95	10,84,742	79.8

ख. वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2024-25 तक प्रजनन उम्र की महिलाओं के बीच रोग निरोधी आईएफए अनुपूरण का कवरेज*

वर्ष	वायनाड जिला		केरल	
	लाभार्थियों की संख्या	कवरेज (%)	लाभार्थियों की संख्या	कवरेज (%)
वित्त वर्ष 2018-19	-	-	-	-
वित्त वर्ष 2019-20	-	-	-	-
वित्त वर्ष 2020-21	-	-	-	-
वित्त वर्ष 2021-22	-	-	-	-
वित्त वर्ष 2022-23	-	-	-	-
वित्त वर्ष 2023-24	1206	0.6	67871	2.4
वित्त वर्ष 2024-25	3047	1.6	95521	3.3
अप्रैल-सितंबर 2025	6596	3.5	15338	5.3

*** (स्रोत: केरल राज्य द्वारा हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम –एचएमआईएस में दी गई जानकारी के अनुसार)**

*****